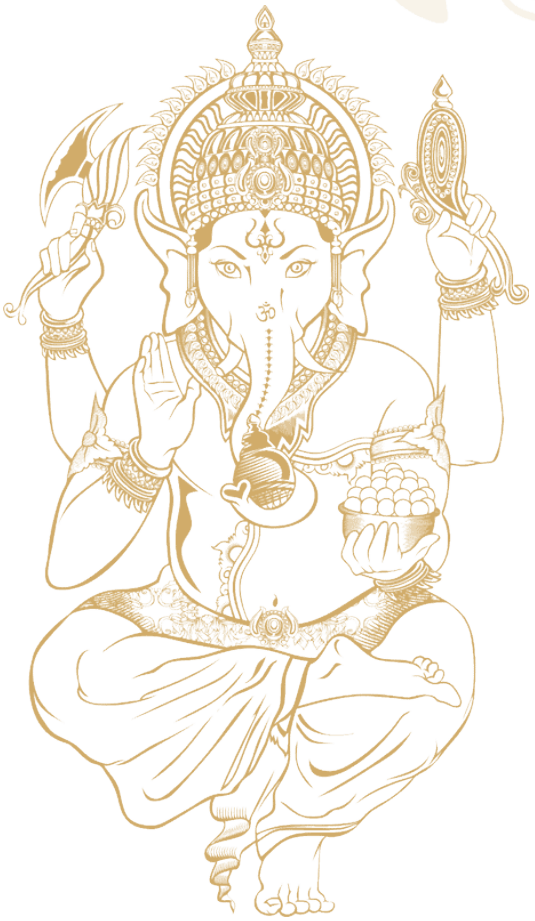

Prachi

22 Aug 2001

08:15 PM

Shivpuri

Model: web-freekundliweb

Order No: 121366505

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**22/08/2001**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**20:15:00 घंटे**
इष्ट	35:47:59 घटी
स्थान	**Shivpuri**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	25:26:00 उत्तर
रेखांश	77:39:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:19:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	19:55:36 घंटे
वेलान्तर	-00:02:54 घंटे
साम्पातिक काल	17:59:30 घंटे
सूर्योदय	05:55:48 घंटे
सूर्यास्त	18:48:17 घंटे
दिनमान	12:52:29 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	05:41:41 सिंह
लग्न के अंश	05:56:57 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**चित्रा - 1**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	शुभ
करण	बव
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	पे-पैनी
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	05:56:57	495:38:18	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
सूर्य			सिंह	05:41:41	00:57:50	मघा	2	10	सूर्य	केतु	राहु	मूलत्रिकोण
चंद्र			कन्या	24:47:07	14:26:47	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	मित्र राशि
मंगल			वृश्चि	28:21:33	00:23:21	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	स्वराशि
बुध			सिंह	21:11:07	01:41:36	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
गुरु			मिथु	14:26:29	00:10:52	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	बुध	शत्रु राशि
शुक्र			कर्क	00:43:11	01:10:55	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	मंगल	शत्रु राशि
शनि			वृष	19:58:59	00:03:39	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	केतु	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	10:54:34	00:06:04	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	उच्च राशि
केतु	व		धनु	10:54:34	00:06:04	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	उच्च राशि
हर्ष	व		मक	28:42:20	00:02:22	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	---
नेप	व		मक	12:53:51	00:01:28	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	18:39:52	00:00:02	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	---
दशम भाव			धनु	06:00:26	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:32

लग्न-चलित

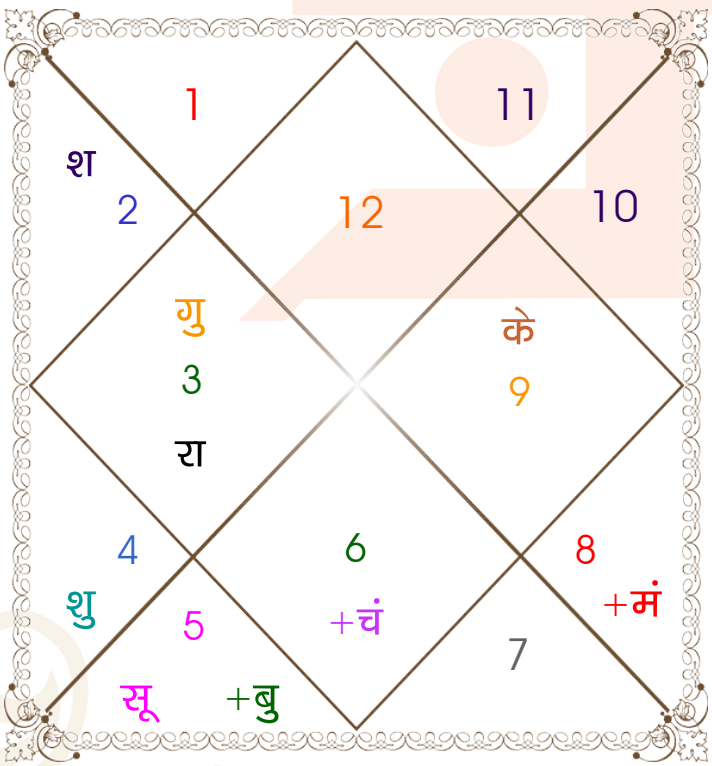

चन्द्र कुंडली

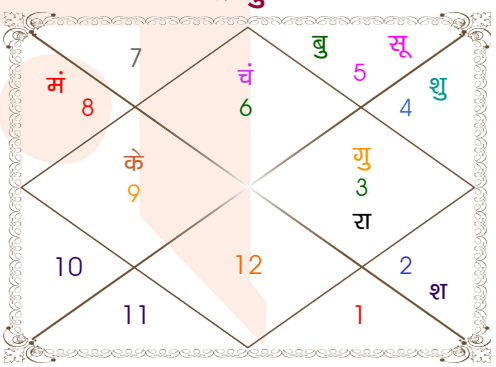

नवमांश कुंडली

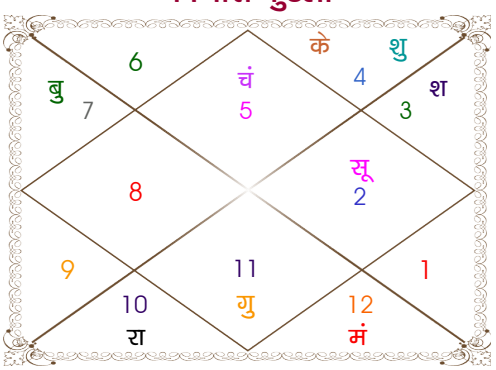

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 6 वर्ष 2 मास 25 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
22/08/2001		18/11/2007		17/11/2025		17/11/2041		17/11/2060	
18/11/2007		17/11/2025		17/11/2041		17/11/2060		17/11/2077	
	22/08/2001	राहु	31/07/2010	गुरु	05/01/2028	शनि	20/11/2044	बुध	16/04/2063
राहु	04/05/2002	गुरु	23/12/2012	शनि	19/07/2030	बुध	31/07/2047	केतु	12/04/2064
गुरु	09/04/2003	शनि	30/10/2015	बुध	24/10/2032	केतु	08/09/2048	शुक्र	11/02/2067
शनि	18/05/2004	बुध	19/05/2018	केतु	29/09/2033	शुक्र	09/11/2051	सूर्य	18/12/2067
बुध	15/05/2005	केतु	06/06/2019	शुक्र	30/05/2036	सूर्य	21/10/2052	चंद्र	19/05/2069
केतु	12/10/2005	शुक्र	06/06/2022	सूर्य	19/03/2037	चंद्र	22/05/2054	मंगल	16/05/2070
शुक्र	12/12/2006	सूर्य	01/05/2023	चंद्र	19/07/2038	मंगल	01/07/2055	राहु	02/12/2072
सूर्य	19/04/2007	चंद्र	30/10/2024	मंगल	25/06/2039	राहु	07/05/2058	गुरु	10/03/2075
चंद्र	18/11/2007	मंगल	17/11/2025	राहु	17/11/2041	गुरु	17/11/2060	शनि	17/11/2077

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
17/11/2077		17/11/2084		18/11/2104		18/11/2110		18/11/2120	
17/11/2084		18/11/2104		18/11/2110		18/11/2120		00/00/0000	
केतु	15/04/2078	शुक्र	18/03/2088	सूर्य	07/03/2105	चंद्र	19/09/2111	मंगल	16/04/2121
शुक्र	15/06/2079	सूर्य	19/03/2089	चंद्र	06/09/2105	मंगल	19/04/2112	राहु	23/08/2121
सूर्य	21/10/2079	चंद्र	17/11/2090	मंगल	12/01/2106	राहु	19/10/2113		00/00/0000
चंद्र	21/05/2080	मंगल	18/01/2092	राहु	07/12/2106	गुरु	18/02/2115		00/00/0000
मंगल	17/10/2080	राहु	17/01/2095	गुरु	25/09/2107	शनि	18/09/2116		00/00/0000
राहु	05/11/2081	गुरु	17/09/2097	शनि	06/09/2108	बुध	17/02/2118		00/00/0000
गुरु	12/10/2082	शनि	18/11/2100	बुध	13/07/2109	केतु	19/09/2118		00/00/0000
शनि	21/11/2083	बुध	19/09/2103	केतु	18/11/2109	शुक्र	19/05/2120		00/00/0000
बुध	17/11/2084	केतु	18/11/2104	शुक्र	18/11/2110	सूर्य	18/11/2120		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 6 वर्ष 2 मा 29 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र के प्रथम चरण में मीन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मीन लग्न के साथ-साथ सिंह राशि का नवमांश एवं मीन राशीय द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म लग्नादिक समन्वित प्रभाव एवं ज्योतिषीय आकृति के अनुसार ऐसा अनुकूल संयोजन बन रहा है कि आप स्वाभाविक रूप में ऐसी आशा कर सकती हैं कि आपका जीवन धन और प्रसन्नता से युक्त आभिमंत्रित और धन्य है। इसका प्रभाव आपके जीवन, संतान और उसकी संतान तक अक्षुण रहेगा।

आप आकर्षक शारीरिक गठन से युक्त होंगी तथा प्रसन्नतम रूप के सहारें आप अधिकाधिक व्यक्तियों को आकर्षित करेंगी। आप सदैव चाहती हैं कि अच्छी प्रकार विपरीत योनि के सदस्यों पर अपनी प्रभाव जमा लें, अर्थात् पुरुषों को प्रभावित कर लें। आप जीवन में प्रेम को एक महत्वपूर्ण वस्तु समझती हैं। आप सदैव अपना झुकाव आनन्द प्राप्ति करने में तथा रोमांचित कार्य में लगाना चाहती हैं। आप पति के चयन हेतु अपने लिए सुंदर अनुकूल एवं जीवन को आनंदित करने वाले कर्क अथवा कन्या राशि का जातक होगा।

यदि आप वासनात्मक घटनाक्रम को अति उत्कंठित होकर देखेंगी तब आप और भी अच्छा कर सकती हैं। आपके पास अच्छा ज्ञान है, इसलिए आप इसे साहस, सामर्थ्य के अनुसार किसी भी प्रकार की चुनौती को देख कर अपने हस्तगत कार्य को संपन्न करने का निर्णय कर सकती हैं।

आपकी अतिरिक्त आय भी आपके कार्यकलाप के अनुरूप होगी। आप हर दशा में भविष्य में परंपरा के अनुरूप पैतृक संपत्ति भी प्राप्त कर सकती हैं। इसलिए आप हर दृष्टिकोण से पारिवारिक व्यवसाय की तरह व्यवसाय से लाभ प्राप्त करेंगी। आपका इस व्यवसाय के साथ संबंध रहना अच्छा है। अन्यथा आप व्यवसायों में यथा सामुद्रिक व्यवसाय, आयात-निर्यात कार्य, छाता अथवा बरसाती कोर्ट अथवा अभियांत्रिकी कार्य में सफलता प्राप्त कर सकती हैं।

सामाजिक जीवन के प्रति आपका अनुराग रहेगा। आप अधिक से अधिक एक क्लब की सदस्य होंगी एवं अनेक मित्रों को आकर्षित करेंगी। परंतु आपको अपने मित्रों का चयन करने (बनाने) के प्रति सतर्क रहना चाहिए क्योंकि इन मित्रों में से कुछ मित्र आपके उत्तम प्रबंध का दुरुपयोग करेंगे तथा ऐसी संभावना है कि वे आपके साथ कोई धोखा धड़ी का प्रयास करेंगे।

इसके अतिरिक्त आपके मित्रगण आपमें अनुरागी एवं प्रशंसक होकर आपके उदार प्रवृति से आवश्यकता के अनुरूप सहायक होंगे। मुख्यतः आपके अधीनस्थ रहने वाले लोग भी सहायक होंगे।

बल्कि आप मीन राशि की द्विस्वभात्मक प्राणी हैं। इसलिए आपके (स्वाभावादि) का अध्ययन करना लोगों के लिए दुष्कर है। सामान्यतः आप शांति एवं प्रसन्नचित्त प्राणी हैं तथा अकस्मात् आप सुरक्षित हो जाती हैं। ऐसा बदलाव क्यों ? यह प्रवृति अन्यों को आश्चर्य में डाल

देती हैं। आप एक चिंतनशील भावना की प्राणी हो सकते हैं। आप अन्यों की समस्या के संबंध में सोचती रहती है जो कि विषय विचार-विमर्श के अंतर्गत होता है। परंतु यह प्रवृति अन्यों के ऊपर गलत प्रभाव डालती है। वे ऐसा अनुभव करते है कि आप उन लोगों की अनदेखी करती हैं। अच्छा तो यह है कि आप नीची दृष्टि कर के धरती पर आ कर करें तथा आप सतत अपने मित्र एवं विश्वास पात्रों से उत्तम धारणा का आनंद प्राप्त करें।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा, परंतु ऐसा संकेत प्राप्त होता है कि आप कतिपय रोगों से आक्रांत हो सकती हैं। यथा कफ, जुकाम, सर्दी, अपाचनिक अथवा हार्नियां रोगादि। अतः आप अपने पारिवारिक चिकित्सक से समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण कराती रहें।

आपके लिए अंकों में अनुकूल एवं आवश्यक अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक लाभदायक एवं भाग्यशाली है। परंतु मात्र 8 अंक अनुकूल नहीं है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में उत्तम एवं लाभजनक दिन रविवार, मंगलवार एवं गुरुवार का दिन उत्तम प्राप्ति के दिन हैं। इसके अतिरिक्त अन्य तीन दिन बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन सर्वथा प्रतिकूल एवं अव्यवहरणीय है।

आप हर दशा में (ब्लू नीले रंग का परित्याग करें, क्योंकि यह रंग आपके लिए अव्यवहरणीय है। शेष लाल, गुलाबी, नारंगी एवं पीला रंग आपके लिए उत्तम, प्रसन्नतादायक एवं आनंद प्रदान करने वाला है।